RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-276 | जयपुर, शनिवार, 04 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

रेगिस्तान में बिछी बर्फ की चादर

प्रदेश के 18 शहरों में बारिश आधा दर्जन शहरों में ओलावृष्टि, खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान

अजमेर-ब्यावर में तूफान से पेड़ धराशायी, टीनशेड उड़े

जयपुर

देशभर में गर्मी की शुरुआत के बाद मौसम ने फिर करवट ली। राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों जैसलमेर और बीकानेर में ओलों की चादर बिछ गई। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। जयपुर में शाम 5:45 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया और आंधी चलने के साथ ही कुछ जगहों पर बारिश हुई। बिंदायका समेत कुछ इलाकों में ओले भी गिरे।

नागौर, सीकर, कुचामन-डीडवाना और जालोर सहित कई जिलों में बारिश हुई। बारिश-ओले गिरने से तापमान में गिरावट आई। खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ। हवा और बरसात के चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे फिलहाल लू का असर खत्म हो गया है।

पश्चिम विक्षोभ के असर से शुक्रवार को जयपुर सहित 18 शहरों में बारिश हुई। बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, जयपुर, अलवर सहित अन्य कुछ शहरों में ओलावृष्टि देखने को मिली। इससे रबी की फसलों का भारी नुकसान हुआ है। रेगिस्तानी इलाकों में ओलावृष्टि से कश्मीर देखा दृश्य बन गया। मौसम विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर, जैसलमेर और बीकानेर में ओलों की चादर बिछ गई। अजमेर -ब्यावर में आंधी से टीनशेड उड़ गए। जयपुर, नागौर, कुचामन-डीडवाना, सीकर और जालोर सहित कई जिलों में बारिश हुई। बारिश-ओले गिरने से तापमान में गिरावट आई। खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पाकिस्तान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में कहीं-कहीं आंधी बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश श्रीगंगानगर में 11.5 मिमी दर्ज की गई। सक्रिय विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार को बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन के साथ तेज आंधी (40-50 किमी प्रतिघंटा) व बारिश दर्ज की गई तो वहीं कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हुई। 4 अप्रेल को उदयपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ जिलों में तेज आंधी-बारिश व कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की प्रबल संभावना है। 5-6 अप्रैल को आंधी बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी होने तथा 7 अप्रेल को एक और नया मजबूत विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में पुनः आंधी-बारिश गतिविधियां दर्ज होने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों के लिए अलर्ट जारी किया है खुले आसमान में पककर तैयार फसलों, कृषि मंडियों व धान मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो को ढककर रखें या सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके।

जयपुर के एमआई रोड पर भरा पानी

जयपुर में शुक्रवार शाम को आंधी के साथ तेज बारिश हुई। कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। भारी बारिश के बाद MI रोड पर पानी भर गया। जिससे यातायात बाधित हो गया और वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

अजमेर में टेंट उड़ा

अजमेर में शुक्रवार को अचानक मौसम बदल गया। शहर में तेज हवा के साथ करीब 10 मिनट तक बारिश हुई। इसी दौरान चंद्रवरदाई नगर खेल मैदान के सामने बनने वाले जीएनएम नर्सिंग स्कूल के शिलान्यास कार्यक्रम में अव्यवस्था फैल गई। तेज हवा और बारिश के चलते टेंट फट गया। पोल नीचे गिर गए। साथ ही लगाए गए पोस्टर भी उड़ गए।

मोतिहारी में जहरीली शराब से 5 की मौत, 6 की आंख की रोशनी गई

हत्या का केस दर्ज, एसएचओ सस्पेंड-चौकीदार गिरफ्तार

मोतिहारी

बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है।

सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के SKMCH में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत कल सुबह और दूसरी कल गुरुवार रात को हुई।

शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया SHO उमाशंकर मांझी को सस्पेंड किया गया है, जबकि चौकीदार भरत राय को गिरफ्तार कर लिया है।

तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाने में मामले को लेकर हत्या का केस दर्ज कराया गया है। ये केस मृतक प्रमोद यादव और हीरालाल भगत के परिवार की शिकायत पर हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार, दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने बिना किसी को सूचना दिए जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया था।

शराब से मौत का खुलासा तब हुआ जब रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा निवासी लोहा ठाकुर की तबीयत बिगड़ी और उनकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। परिजन उन्हें इलाज के लिए मदन राज नर्सिंग होम ले गए, जहां लोहा ठाकुर ने बताया कि उन्होंने शराब पी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आए। शराब पीने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाने लगा। इसी दौरान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया पंचायत के परसौना गांव निवासी प्रमोद यादव, जो पहले से बीमार थे, की इलाज के दौरान मौत हो गई।

फ्लाइट में 60 फीसदी सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था।

प्राइवेट स्कूलों में किताब-यूनिफॉर्म पर मनमानी नहीं चलेगी

हर जिले में शिक्षा विभाग की कमेटी करेगी जांच, 20 अप्रैल तक देगी रिपोर्ट

बीकानेर

राजस्थान में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। किताब, यूनिफॉर्म, जूते-टाई आदि खरीदने का दबाव बनाने वाले स्कूलों की जांच के आदेश दिए हैं। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जिला शिक्षा अधिकारियों को 15 अप्रैल से पहले स्कूलों की चेकिंग करने के लिए कहा है। नियमों का उल्लंघन और पेरेंट्स पर अनावश्यक दबाव बनाने की शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश हैं। इसके लिए एक परफॉर्मा भी जारी किया है। इसमें किसी प्राइवेट स्कूल के खिलाफ कितनी शिकायतें मिली, इसकी भी जानकारी देनी होगी।

दरअसल, निदेशक की ओर से 1 अप्रैल को जारी आदेशों के अनुसार- गैर सरकारी (प्राइवेट) स्कूलों में स्टूडेंट्स से किताब, यूनिफॉर्म, जूते-टाई आदि के नाम पर लगातार अनियमिताओं की शिकायत मिल रही थी। निजी स्कूलों की ओर से बच्चों और उनके पेरेंट्स पर इन्हें खरीदने के लिए अनावश्यक दबाव बनाया जाता है। ऐसे में शिक्षा विभाग ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अब सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है।

स्कूलों में 1 अप्रैल 2026 से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है। नियमों का उल्लंघन नहीं हो, इसके लिए निजी स्कूलों की जांच के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय अलग-अलग कमेटियां गठित की जाएंगी। ये कमेटियां 15 अप्रैल 2026 से पहले जिले के सभी गैर सरकारी स्कूलों का निरीक्षण करेंगी।

निरीक्षण के दौरान यदि किसी स्कूल में नियमों का उल्लंघन या पेरेंट्स से जुड़ी शिकायतें सामने आती हैं, तो संबंधित स्कूल के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गंभीर मामलों में मान्यता निरस्त करने को लेकर भी सिफारिश कर सकेगी।

ईरान ने अमेरिका का एफ-35 लड़ाकू विमान मार गिराया

अमेरिका ने एक पायलट को बचाया, दूसरे की तलाश जारी

तेल अविव

ईरान में गिराए गए अमेरिकी लड़ाकू विमान के बाद बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका ने अपने एक क्रू मेंबर को सफलतापूर्वक बचा लिया है। बताया गया कि यह पायलट जिंदा है, अमेरिकी सेना की निगरानी में है और उसे इलाज दिया जा रहा है। हालांकि दूसरे क्रू मेंबर की स्थिति अभी साफ नहीं है और उसकी तलाश जारी है। यह घटना उस समय हुई जब अमेरिकी एफ-15 ई लड़ाकू विमान

ईरान के ऊपर गिराया गया था। इसके बाद से लगातार सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया है कि ईरान के ऊपर एक अमेरिकी फाइटर जेट गिराया गया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि ईरान के ऊपर एक अमेरिकी फाइटर जेट मार गिराया गया है।

ईरान ने यह भी दावा किया है कि उसने दूसरा एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट भी मार गिराया है। हालांकि, पहले अमेरिकी रिपोर्ट्स में कहा गया था कि एक एफ-35 मिसाइल हमले के बाद सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करने में सफल रहा था।

ईरान की चेतावनी: क्षेत्रीय ऊर्जा फर्मों को निशाना बनाएंगे

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका उसके बिजली संयंत्रों पर हमला करता है, तो तेहरान अमेरिकी शेयरधारकों वाली क्षेत्रीय ऊर्जा और दूरसंचार कंपनियों को निशाना बनाएगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने प्रेस टीवी पर यह बात कही। सैन्य अधिकारी पहले भी मध्य पूर्व की प्रौद्योगिकी फर्मों को निशाना बनाने की धमकी दे चुके हैं।

जनगणना में लगाई मृतकों व रिटायर्ड कर्मचारियों की ड्यूटी

जोधपुर। जोधपुर नगर निगम प्रशासन ने एक ऐसा कारनामा किया जिसका खुलासा होने पर हर कोई अचंभित है। नगर निगम ने जनगणना कार्य में मृतकों और डेढ़ साल पहले रिटायर्ड हो चुके कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी है। दरअसल 27 मार्च को कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी व निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पालानीचामी ने 2084 लोगों की एक लिस्ट जारी की। इसमें जनगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई। लोगों का निधन हो चुका है या जो रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम भी हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम को लेकर टकराव

एनएसयूआई कार्यकताओं को पुलिस ने रोका

जयपुर

जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण को लेकर आयोजित कार्यक्रम को लेकर विवाद गहरा गया है। छात्र संगठनों के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। एक ओर एनएसयूआई ने इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जोड़ते हुए विरोध शुरू कर दिया है। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कार्यक्रम का समर्थन करते हुए एनएसयूआई

के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही शुक्रवार दोपहर को एनएसयूआई कार्यकर्ता मुख्य गेट पर नारे लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने गेट के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता रोक रखा है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में पुलिस और एनएसयूआई कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ता बेरीकेटिंग को पार करके मानविकी पीठ सभागार में जाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन पुलिस ने उन्हें यूनिवर्सिटी के में गेट पर ही रोक दिया है। वहीं विवाद को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एहतियातन कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सकें। दरअसल मरुधरा नारी संगठन के बैनर तले विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में शुक्रवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसके एनएसयूआई की ओर से विरोध जताया जा रहा है।

दरअसल, मरुधरा नारी संगठन के बैनर तले विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में RSS से जुड़े पदाधिकारियों के शामिल होने की बात सामने आने के बाद एनएसयूआई ने इसका विरोध तेज कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट, अब तक 35 गिरफ्तारी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था।

इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में AIMIM का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को SIR में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया।

इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के BDO ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था।

उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है।

मालदा बंधक मामले की जांच NIA की डीआईजी सोनिया सिंह कर रही हैं। वह सुबह करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचीं, जिसके बाद सीधे मालदा के लिए रवाना हो गईं। वह कलियाचक थाने भी जा सकती हैं और घटनास्थल का दौरा करने की संभावना है। वहां से सैंपल इकट्ठा किए जा सकते हैं।

पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में रोड शो कर 09 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन के पक्ष में समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने एनडीए सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए जनता से दोबारा अवसर देने की अपील की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारों के साथ प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआईएनआरसी के संस्थापक तथा राज्य के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी व ए. नमस्सिवयम के साथ रोड शो किया। रोड शो अजंता सिग्नल पॉइंट से शुरू होकर कामराजर प्रतिमा राजा थिएटर सिग्नल पर खत्म हुआ।

लगभग दो किलोमीटर लंबे रोड शो को पूरा होने में एक घंटा लगा। रोड शो के दौरान पीएम खुले वाहन में सवार होकर लोगों का अभिवादन करते रहे। रास्तेभर समर्थकों ने उन पर फूलों की वर्षा की और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। पूरे शहर में भाजपा और एआईएनआर कांग्रेस के झंडे लहराते नजर आए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों व पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन को और आकर्षक बना दिया। बड़ी संख्या में समर्थक पहले से ही रोड शो स्थल पर जुट गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में रोड शो की तस्वीरें साझा करते हुए इसे शानदार बताया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने 'बीईएसटी पुडुचेरी' के विजन को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को पुनः चुनने का मन बना लिया है। उन्होंने रोड शो में बड़ी संख्या में शामिल महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को भी सराहा।

परमाणु सबमरीन आईएनएस अरिदमन और युद्धपोत आईएनएस तारागिरी नौसेना में शामिल

नई दिल्ली

भारत की समुद्री सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी और आईएनएस अरिदमन को नौसेना में शामिल कराया। इस समारोह में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

भारतीय नौसेना में शुक्रवार को तीसरी परमाणु सबमरीन आईएनएस अरिदमन कमीशन की गई। इससे पहले आईएनएस अरिहंत (2016) और आईएनएस अरिघात (अगस्त 2024) को नौसेना में शामिल किया जा चुका है। अरिदमन को कई महीनों के ट्रायल के बाद केरल स्थित नौसैनिक अड्डे पर नौसेना को सौंपा गया।

आईएनएस अरिदमन को विशाखापट्टनम के शिप बिल्डिंग सेंटर (SBC) में तैयार किया गया है। इससे न्यूक्लियर ट्रायड क्षमता और मजबूत हुई है। यह देश के गोपनीय न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन कार्यक्रम स्स्क्रृह का हिस्सा है। इस कैटेगरी की सबमरीन परमाणु हथियार ले जाने और लंबे समय तक समुद्र में तैनात रहने में सक्षम होती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केरल के नौसैनिक अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। हालांकि इस संबंध में नौसेना या रक्षा मंत्रालय की ओर से फिलहाल आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- यह सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि शक्ति का प्रतीक है-अरिदमन। इसके बाद इसके नौसेना में शामिल होने की जानकारी सामने आई।

राजनाथ सिंह बोले- हम एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति

इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा, आईएनएस तारागिरी के जलावतरण से भारत की नौसेना की ताकत और बढ़ी है। आईएनएस तारागिरी में ब्रह्मोस और सुपरसोनिक मिसाइल से लैस है। इतिहास हमें बताता है कि कोई भी देश बिना अपनी नौसैनिक ताकत को मजबूत किए शक्तिशाली नहीं माना जा सकता है। ये शहर अपने आप में भारत की समुद्री शक्ति का साक्षी रहा है, इसलिए विशाखापट्टनम से आईएनएस तारागिरी कमीशनिंग अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल है। हमारी सांस्कृतिक विरासत से लेकर आज की रणनीतिक वास्तविकताओं ने समुद्र में हमेशा भारत की दिशा तय की है। भारत का हमेशा से ही समुद्र के साथ अनोखा संबंध रहा है और समय के साथ समुद्र से हमारा रिश्ता और भी मजबूत होता गया है। 'हमें केवल अपने तटों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय हितों से जुड़े महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों, चोक पॉइंट्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

युद्ध के बीच भारत बना संकटमोचक, बगावत भुलाकर पड़ोसियों को दी एनर्जी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल युद्ध ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से, जहां से वैश्विक तेल और गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, दक्षिण एशियाई देशों में हाहाकार मचा है। इस महासंकट के बीच भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी प्रथम) नीति का परिचय देते हुए उन देशों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया है, जिन्होंने हाल के वर्षों में भारत विरोधी रुख अपनाया था। मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों ने, जो कभी इंडिया आउट और बॉयकॉट इंडिया जैसे अभियानों में मशगूल थे, आज गहरे ईंधन संकट के समय नई दिल्ली को ही अपना सबसे भरोसेमंद साथी पाया है।

मालदीव की बात करें तो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के नारे पर सत्ता हासिल की थी और भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकाल दिया था। हालांकि, युद्ध के कारण तेल की किल्लत और चीन से तत्काल राहत न मिलने पर उन्हें भारत का ही रुख करना पड़ा। भारत ने कूटनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए मालदीव के पर्यटन उद्योग को बचाने के लिए आपातकालीन कोटे के तहत पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की विशेष खेप भेजी है। मुइज्जू ने अब भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद साझेदार स्वीकार किया है। इसी तरह, बांग्लादेश में अगस्त 2024 के सत्ता परिवर्तन के बाद उभरी भारत विरोधी भावनाओं और बॉयकॉट इंडिया अभियान के बावजूद, भारत ने मानवता को प्राथमिकता दी है। ईरान युद्ध के कारण बांग्लादेश का पावर ग्रिड और कपड़ा उद्योग ठप होने की कगार पर है। ऐसे में भारत ने मैत्री पाइपलाइन के जरिए हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति बढ़ा दी है। मार्च 2026 में भारत ने 15,000 टन डीजल भेजा और अगले महीने 40,000 टन अतिरिक्त आपूर्ति की योजना है। बिजली आपूर्ति को भी बिना किसी बाधा के जारी रखा गया है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह न ढह जाए।

श्रीलंका में भी स्थिति गंभीर है, जहां राष्ट्रपति दिसानायके के अनुरोध पर भारत ने 28 मार्च 2026 को 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप कोलंबो भेजी। श्रीलंका ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों को संतुलित करते हुए पड़ोसियों को एनर्जी सिक्योरिटी प्रदान कर रहा है। ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक अस्थिरता के समय जहां अन्य देश व्यावसायिक हित देखते हैं, वहीं भारत वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर चलते हुए एक निस्वार्थ रक्षक की भूमिका निभा रहा है।

पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

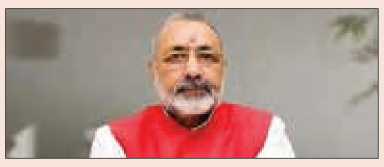

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

-एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका का जवाब किया दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जवाब को रिकॉर्ड पर लिया और पुनर्विचार याचिका पर बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। यह पुनर्विचार याचिका वकील रविंदर गुप्ता ने वकील गगन गांधी के जरिए दायर की थी। शिकायतकर्ता और आरएसएस सदस्य रविंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया था। 11 नवंबर 2025 को तीस हजारी कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया और शिकायत को खारिज कर दिया था। इससे पहले, दिसंबर 2024 में कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

भारत की अनूठी पहल: समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

एजीटीएफ ने किया जोधपुर में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

3 करोड़ कीमत की 3.055 किलो एमडी और 55.725 किलो केमिकल बरामद

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक के नशामुक्त राजस्थान संकल्प को साकार करते हुए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने जोधपुर में एक बड़ी कार्रवाई की है। एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में एजीटीएफ ने जोधपुर के बनाड थाना क्षेत्र में घर की छत पर चल रही अवैध एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से 3.055 किलोग्राम निर्मित एमडी और 55 किलो 725 ग्राम घातक रसायन बरामद किए हैं। जप्त ड्रग की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 करोड रुपए आंकी गई है

मौके से गिरफ्तार किए गए आरोपी गणपतराम बेनीवाल (40) निवासी मण्डली, बालोतरा हाल शंकर नगर बनाड, जोधपुर ने अपने 12 लाख रुपये का कर्ज चुकाने के लिए सांचौर के तस्करों आसुराम उर्फ लक्की और भाणु के साथ सौदा किया था। उसने अपने ही घर बेनीवाल सदन को जहर बनाने की लैब में तब्दील कर दिया था। जानकारी के अनुसार बरामद रसायनों से 60 किलो और एमडी ड्रग्स तैयार करने की खतरनाक योजना थी।

मौके से पुलिस ने 3.055 किलोग्राम निर्मित एमडी ड्रग, डाइक्लोरोमीथेन, मैक्स फाइन केम, डी-आयोनाइज्ड वाटर और ज्योति हाइड्रोटेक जैसे घातक केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक चूल्हा, 9 बाल्टियां, स्टील के बर्तन और ड्रग्स सुखाने के उपकरण इत्यादि जब्त किए है।

> कर्ज चुकाने को घर को बनाया मौत की लैब
> 60 किलो और एमडी ड्रग्स तैयार करने की थी खतरनाक योजना
> सांचौर के तस्करों से था कनेक्शन

बल्ब की रोशनी में बन रहा था जहर

एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि राजस्थान एजीटीएफ को लगातर सूचना मिल रही थी कि जोधपुर शहर में ड्रग्स माफियाओं द्वारा भारी मात्रा में ड्रग्स पैडलरो को लगातर एमडी की सप्लाई की जा रही है। इसी क्रम में एजीटीएफ के एएसआई राकेश जाखड़ को मिली गोपनीय सूचना पर एसपी ज्ञानचंद यादव और एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई। सूचना पर टीम ने तुरंत जाल बिछाने की रणनीति तैयार की। इसके बाद एजीटीएफ, एटीएस, डीएसटी और बनाड थाना पुलिस ने रात के अंधेरे में सुनसान इलाके में स्थित मकान की घेराबंदी की। जब टीम छत पर पहुंची तो वहां का नजारा दंग करने वाला था। बिजली के बल्ब की रोशनी में गद्दे पर एमडी सुखाई जा रही थी और चारों तरफ रसायनों के ड्रम व इलेक्ट्रॉनिक चूल्हे बिखरे पड़े थे।

टीम की शानदार भूमिका

इस सफल ऑपरेशन में एएसआई राकेश जाखड़ और कांस्टेबल सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। तकनीकी सहयोग एएसआई रमेश कुमार यादव ने दिया। वहीं, बनाड थानाधिकारी लेखराज और डीएसटी प्रभारी खेत सिंह की टीम ने मौके पर प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया। मामले की तफ्तीश अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमृत लाल जिनगर को सौंपी गई है। पुलिस अब मुख्य सरगना आसुराम उर्फ लक्की और भाणु की तलाश में दबिश दे रही है।

असर: 'स्मार्ट हलचल' की खबर के बाद जागा प्रशासन

8 माह से अंधेरे में डूबा लाडपुरा चौराहा जगमगाया

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। चित्तौड़गढ़-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर स्थित लाडपुरा चौराहे पर आखिरकार आठ महीने का लंबा इंतजार खत्म हुआ। 'स्मार्ट हलचल' द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर के बाद राजमार्ग के टोल अधिकारी हरकत में आए और चौराहे पर लगी लाइटों को चालू कर दिया गया है।

8 महीने की लापरवाही, एक खबर का असर

विदित रहे कि लाडपुरा चौराहे पर 20 जून 2025 को ही लाइट के खंभे (थांबे) लगा दिए गए थे, लेकिन करीब 8 माह बीत जाने के बाद भी इन्हें चालू नहीं किया गया था। इस अव्यवस्था के कारण रात के समय चौराहे पर घना अंधेरा छाया रहता था, जिससे वाहन चालकों और बस का इंतजार करने वाले यात्रियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा था। 'स्मार्ट हलचल' ने 26 फरवरी 2026 के अंक में 'लाडपुरा चौराहे पर अंधेरे का साम्राज्य, यात्री परेशान' शीर्षक से प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था।

राष्ट्रीय राजमार्ग की लाइट बंद व सर्विस रोड क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में रोष

अधिकारियों ने दिखाई सक्रियता

खबर प्रकाशित होने के बाद टोल प्रबंधन और उच्च अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। स्थानीय निवासी संदीप सुथार ने बताया कि पिछले 8 माह से लाइटें बंद पड़ी थीं। 29 मार्च को उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया और हेल्पलाइन नंबर 1033 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके सकारात्मक परिणाम स्वरूप अब लाइटें चालू कर दी गई हैं।

हजारों वाहनों का केंद्र है यह चौराहा

कोटा-चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा मार्ग का यह चौराहा बेहद व्यस्ततम क्षेत्रों में गिना जाता है, जहाँ से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन और बसें गुजरती हैं। बसों के ठहराव स्थल पर लाइट चालू होने से अब यात्रियों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

अधूरा है कार्य: यात्री प्रतीक्षालय की मांग तेज

ग्रामीणों का कहना है कि केवल लाइट चालू होना ही काफी नहीं है। इस व्यस्त चौराहे पर यात्रियों के बैठने के लिए एक समुचित यात्री प्रतीक्षालय और स्थाई स्वच्छता व्यवस्था का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य की समस्याओं को देखते हुए इन बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जल्द से जल्द किया जाए।

दिनदहाड़े दो सूने मकानों में चोरी: ताले तोड़कर लाखों के गहने-नकदी पार,12 लाख का नुकसान

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

थाना मुख्यालय में दिनदहाड़े हुई चोरी की दो वारदातों ने ग्रामीणों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।चोरों ने सूने मकानों को निशाना बनाते हुए ताले तोड़कर करीब 12 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पार कर ली।घटना के समय दोनों परिवार गेहूं काटने खेत पर गए हुए थे।पहली वारदात में राजूलाल पुत्र गणेश पुरबिया के घर को निशाना बनाया गया।चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बेड में बनी अलमारियों के ताले तोड़कर सामान बिखेर दिया।

यहां से 2 तोला सोने का रामनामी मांदलिया,1 तोले का बोड़ला(बोर)और 10 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए।दूसरी वारदात रामलाल पुत्र प्रभुलाल पुरबिया के मकान में हुई।चोर मुख्य चैनल गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और दो कमरों के ताले तोड़े।एक कमरे में रखी अलमारी को सरिए से तोड़कर करीब 4 तोला सोना (जिसमें 2 रामनामी मांदलिया), 2 चांदी के पायजेब और 50 हजार रुपए नकद चुरा लिए। बताया जा रहा है कि घर में लड़की की शादी तय होने की सम्भावना के चलते हाल ही में सोना खरीदा गया था।

घटना के दौरान मोहल्ले के बुजुर्ग सोहनलाल पुरबिया ने सुबह करीब 10:30 बजे दो संदिग्ध युवकों को मोहल्ले की ओर जाते देखा था।दोनों की उम्र करीब 25-26 वर्ष बताई जा रही है और उन्होंने काले कपड़े पहन रखे थे।उनमें से एक शरीर में मोटा था।आधे घंटे बाद जब वे लौटे तो एक युवक उनके घर के बाहर बैठा मिला,जिसने खुद को हमीरगढ़ निवासी बताते हुए किसी से मिलने आने की बात कही।

बुजुर्ग के कम सुनने का फायदा उठाकर दोनों आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।चोरी की वारदात की सूचना मिलने के बाद परिवार की महिलाओं की करुण पुकार मच गई।वही देखते ही देखते घर पर रिश्तेदारों की भीड़ जुटने लग गई।दिनदहाड़े हुई इस चोरी से ग्रामीणों में भारी रोष है।सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पीड़ितों की रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू की।आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है तथा संदिग्धों की तलाश जारी है।

25 लाख की सोनोग्राफी मशीन खा रही धूल, निजी केंद्रों पर लूटने को मजबूर गरीब मरीज

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़ (भीलवाड़ा)

प्रदेश सरकार एक ओर संस्थागत प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावे कर रही है, वहीं मांडलगढ़ उप जिला चिकित्सालय में प्रशासनिक अनदेखी का एक बड़ा मामला सामने आया है। अस्पताल को डीएमएफटी फंड से करीब 25 लाख रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन मिले 7 माह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक इसका शुभारंभ नहीं हो पाया है। आलम यह है कि मशीन एक कमरे में बंद होकर धूल फांक रही है और मरीज बाहर निजी केंद्रों पर भारी भरकम शुल्क देने को मजबूर हैं।

गर्भवती महिलाओं और गरीबों पर पड़ रही दोहरी मार

उप जिला चिकित्सालय में मांडलगढ़ सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएँ और अन्य मरीज उपचार के लिए पहुँचते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भावस्था के दौरान शिशु की स्थिति जाँचने के लिए कम से कम तीन बार (तीसरे, छठे और नौवें महीने) सोनोग्राफी की सलाह दी जाती है। सरकारी सुविधा के अभाव में इन महिलाओं को अस्पताल के ठीक सामने स्थित निजी दुकानों पर ऊँची दरों पर जाँच करानी पड़ रही है। गरीब तबके के लोगों के लिए यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ बड़ी परेशानी का सबब बना हुआ है।

क्यों जरूरी है सोनोग्राफी?

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्भ में पल रहे शिशु के विकास, स्थिति और किसी भी प्रकार की जटिलता का पता लगाने के लिए सोनोग्राफी अनिवार्य है। सरकारी अस्पताल में यह सुविधा मुफ्त या रियायती दर पर होनी चाहिए, लेकिन यहाँ मशीन उपलब्ध होने के बावजूद संचालन न होना व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है।

जिम्मेदारों के बयान: आश्वासन का खेल

इस मुद्दे पर अस्पताल और जिला प्रशासन के बीच पत्राचार तो हो रहा है, लेकिन धरातल पर समाधान शून्य है।

क्षेत्रवासियों ने अब चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मशीन चालू नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन की नींद कब टूटती है और कब गरीबों को निजी केंद्रों की लूट से निजात मिलती है।

- 'सोनोग्राफी मशीन शुरू करने की सभी प्रक्रियाएं लंबे समय से पूर्ण कर ली गई हैं। संबंधित अधिकारी को मशीन चालू करने हेतु नोटिस भी दिए गए हैं और उच्चाधिकारियों को स्थिति से अवगत करवा दिया गया है।'
  डॉ. मनीष पुरोहित, चिकित्सा प्रभारी, मांडलगढ़
- 'मांडलगढ़ अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन बंद होने का मामला संज्ञान में आया है। तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द सेवाएं मिल सकें।'
  डॉ. संजीव शर्मा, सीएमएचओ, भीलवाड़ा

फॉलोवर्स बढ़ाने की होड़ में थाने के बाहर गैंगस्टर स्टाइल में वीडियो बनाया

सोशल मीडिया पर वायरल करना पड़ा भारी, युवक गिरफ्तार

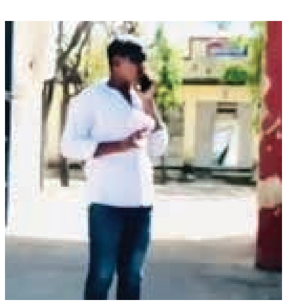

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा/करेड़ा। करेड़ा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर गैंगस्टर स्टाइल वीडियो बनाकर वायरल करना एक युवक को भारी पड़ गया। फॉलोवर्स बढ़ाने की होड़ में युवक ने थाने के बाहर गैंगस्टर गानों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी, जो देखते ही देखते वायरल हो गई।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद युवक ने सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी।

करेड़ा थानाधिकारी के निर्देश पर पुलिस टीम के राकेश मीणा और प्रदीप दारा ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस लगातार क्षेत्र के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर बनाए हुए है और इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

जिले में एक के बाद एक हो रही पुलिस कार्रवाई से गैंगस्टर प्रवृत्ति पर लगाम लगती नजर आ रही है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव भी गैंगस्टर और नशे के कारोबार से जुड़ी हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। उनके कार्यभार संभालने के बाद से जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्ती बढ़ी है और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिल रहा है।

ट्रक चोरी की वारदात का खुलासा, 50 किलामीटर के दायरे में 150 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मिली कामयाबी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

बनेड़ा थाना पुलिस ओर डीएसटी भीलवाडा ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी हुए ट्रक को बरामद करने में सफलता हासिल की है । टीम ने करीब 50 किमी के दायरे में 40 स्थानों से 100 से 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसके बाद कामयाबी मिली । एसपी धर्मेंद्र सिंह द्वारा चोरी कें अपराधियों की धरपकड हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत् एएसपी राजेश आर्य, शाहपुरा व ओमप्रकाश विश्नोई आरपीएस वृताधिकारी, वृत शाहपुरा के सुपरवीजन में ओर बछराज चौधरी थानाधिकारी बनेड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। दिनांक 31.03.2026 को प्रार्थी मनोज पिता दुर्गालाल खटीक निवासी निम्बेंडा पुलिस थाना फागी जिला जयपुर ग्रामीण राज. ने टेलीफोन पर सूचना दी कि मैं जयपुर से मेरी ट्रक में माल भरकर रामपुरिया नाकौडा ईंट फेक्ट्री पहुँचा जहॉ पर गाडी को फेक्ट्री के बाहर खडी करके अन्दर चला गया।

1-2 घंटे के बाद मैं फैक्ट्री से वापस बाहर आया तो ट्रक वहां नही मिला जिसकी आसपास में काफी तलाश की लेकिन नही मिला उसके बाद बनेडा पुलिस थाने में सूचना दी। सूचना पर चोरी का मामला दर्ज किया गया । बछराज चौधरी थानाधिकारी बनेडा मय जाप्ता के उक्त ट्रक की तलाश हेतु रवाना हुए और नाकौडा ईट फेक्ट्री की तरफ पहुंचे जहॉ से हालात् उच्चाअधिकारी को बताए ।

उच्चाधिकारियों के आदेश से डीएसटी भीलवाडा से समन्वय कर थानाधिकारी मय जाप्ता डीएसटी टीम भीलवाडा के साथ उक्त वाहन की तलाश में टोल नाका व मार्ग के सीसीटीवी कैमरें व तकनीकी सहायता से उक्त वाहन ट्रक का पता लगाते हुए अहिंसा सर्कल जित्या खेडी चौराहे के पास उक्त ट्रक को डिटेन कर पुलिस थाना बनेडा के प्रकरण संख्या 57/2026 धारा 303(2) बीएनएस में ट्रक को बरामद किया गया। मामले में आरोपियों की तलाश व अग्रिम जांच जारी है। पुलिस टीम में थाना अधिकारी के साथ एचसी कृष्ण गोपाल बनेड़ा थाना, एचसी चन्द्रपाल सिंह साईबर सैल भीलवाडा, अनिल कुमार डीएसटी भीलवाडा (विशेष योगदान) हरवीर डीएसटी भीलवाडा (विशेष योगदान), पवन डीएसटी (विशेष योगदान) पवन डीएसटी भीलवाडा (विशेष योगदान), रामावतार, मुकेश कुमार सेवदा शामिल थे।

अवैध बजरी खनन और परिवहन पर शिंकजा, तीन गिरफ्तार दो वाहन जब्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पुलिस थाना शक्करगढ ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के विरूद्व बड़ी कार्यवाही की है और अवैध बजरी परिवहन में लिप्त 3 आरोपी हेमराज गुर्जर,कुलवंन सिहं व रामप्रसाद गुर्जर को गिरफ्तार किया है साथ ही बजरी से भरे 1 ट्रेलर व एस्कोर्ट करती 1 ब्रेजा कार को जप्त किया। एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार अवैध बजरी के खनन व परिवहन की रोकथाम हेतु एएसपी राजेश कुमार आर्य शाहपुरा के निर्देशन व रेवडमल मोर्य वृताधिकारी वृत जहाजपुर के निकटतम सुपरविजन में विशेष टीम बनाई जिसका नेतृत्व शक्करगढ़ थाना प्रभारी पुरणमल ने किया। थाना प्रभारी पुरणमल के नेतृत्व मे गठीत टीम ने थाना सर्कल में गश्त के दौरान अवैध बजरी परिवहन में लिप्त दो वाहनो को जब्त किया उक्त दोनों वाहन जिसमे से एक अवैध बजरी से भरा टीपर ट्रेलर व एक अन्य वाहन ब्रेजा कार जो उक्त ट्रेलर की एस्कोर्ट करती हुई को जप्त किया गया। टीपर ट्रेलर के चालक हेमराज पिता सोजी राम गुर्जर उम्र 23 साल निवासी भैरुखेडा थाना शक्करगढ जिला भीलवाडा व ब्रेजा कार से कुलवंत सिंह पिता देवराज सिंह उम्र 24 साल निवासी शाहपुरा थाना शाहपुरा जिला भीलवाडा व रामप्रसाद पिता कालू गुर्जर उम्र 22 साल निवासी सरा का खेडा थाना पारोली जिला भीलवाडा को मौके से गिरफ्तार किया गया व उक्त दोनो जब्तशुदा वाहनो को थाना परिसर में खडा करवाया गया । बीएनएस व 4/21 एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम में सियाराम एचसी थाना शक्करगढ, रोहीताश, मंगलराम कांस्टेबल चालक शामिल थे।

खेतों में आये भालू से दहशत में लोग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ इलाके के कल्याणपुरा गाँव में भालू की दस्तक से ओर खेतों में भालू को घूमता देख ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है । वन विभाग की टीम रेस्क्यू में जुटी है । क्या जंगलों की कमी वन्यजीवों को बस्तियों की ओर खींच रही है? ऐसे में खेतों में काम करने वाले किसानों को सावधान रहने की जरूरत है ।

कल्याणपुरा गांव में भालू ने डेरा डाल दिया है । गांव में किसान विशाल के खेत में शुक्रवार सुबह-सुबह भालू दिखाई दिया । जैसे ही खबर गांव में पहुंची ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया । संभवतः भालू गुप्तेश्वर महादेव के जंगलों से भटककर खेत की ओर आया है । वन विभाग ने इसके लिए अलर्ट भी जारी किया है और ग्रामीणों को अकेले खेतों में न जाने की सख्त सलाह दी है । वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और भालू को सुरक्षित जंगल में खदेड़ने की तैयारी में टीम जुट गई।

उप निरीक्षक/ प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा

जिले में 25 केन्द्रों पर होगी परीक्षा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उप निरीक्षक / प्लाटून कमाण्डर भर्ती परीक्षा 2025 (गृह विभाग) दिनांक 05 एवं 06 अप्रैल 2026 को (प्रथम पारी प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 03:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक) जिले में निर्धारित कुल 25 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है।

परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु आयोग से निम्नानुसार निर्देश प्रदान किये गये हैः-

1. परीक्षार्थी को निर्धारित ड्रेस कोड में ही आने हेतु निर्देशित किया गया है।
2. पुरूष अभ्यर्थी आधी आस्तीन का शर्ट / टी शर्ट एवं पेन्ट या कुर्ता पायजामा पहनकर आ सकेंगे।
3. महिला अभ्यर्थी आधी आस्तीन का कुर्ता एवं सलवार या आधी आस्तीन का ब्लाउज व साड़ी पहनकर एवं बालों में साधारण रबर बैण्ड लगाकर परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित हो सकेंगी।
4. महिला अभ्यर्थियों को पतली कांच की चूड़ियों के अलावा और कोई गहना पहनकर आना अनुमत नहीं है।
5. महिला एवं पुरूष में से किसी भी अभ्यर्थी को जूते मौजे पहनकर आना अनुमत नहीं है।
6. अभ्यर्थी केवल स्लीपर या हवाई चप्पल पहनकर ही केन्द्र पर प्रवेश कर सकेंगे।
7. मोबाइल एवं किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, घड़ी, केल्कुलेटर आदि पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेंगे।
8. परीक्षार्थियों को परीक्षा के निर्धारित समय (प्रथम पारी में प्रातः 11 बजे एवं द्वितीय पारी में अपराह्न 3 बजे) से दो घण्टे पूर्व परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश प्रारम्भ कर दिया जाएगा जो परीक्षा प्रारम्भ होने के ठीक एक घण्टा (प्रथम पारी हेतु प्रातः 10 बजे तथा द्वितीय पारी हेतु दोपहर 02 बजे) पहले प्रवेश बन्द कर दिया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में अनुमत समय उपरांत केन्द्र पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
9. परीक्षार्थियों को अपने साथ आयोग द्वारा अनुमत मूल फोटो युक्त पहचान पत्र, एक रंगीन फोटो एवं प्रवेश पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
10. अभ्यर्थियों को समस्त प्रश्नों के लिए किसी भी एक विकल्प (गोला) को भरने के लिए निर्धारित परीक्षा समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
11. परीक्षा संचालन में किसी प्रकार से अनुचित साधनों का उपयोग, अनियमित एवं अविधिपूर्वक गतिविधियों (अधिनियम की धारा 2 (च) के अन्तर्गत यथा परिभाषित) में संलिप्तता पाई जाती है तो उनके विरूद्ध राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती के अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम 2022 एवं (संशोधन) अधिनियम, 2023 के संख्यांक (17) के अनुसार 10 लाख से लेकर अधिकतम 10 करोड़ रूपये तक का दंड तथा 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा के प्रावधान है, जिसके अंतर्गत कठोर दंडात्मक कानूनी कार्यवाही की जा सकती है साथ ही ऐसे परीक्षार्थी को आगे परीक्षा देने से विवर्जित भी किया जावेगा।

अवैध बजरी खनन ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आज थाना क्षेत्र के भाकलिया गांव में बनास नदी में कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया । थाना प्रभारी मुन्नीराम चोयल ने बताया कि आज शुक्रवार को पुलिस थाना बडलियास के द्वारा भाकलिया गांव के पास बनास नदी में अवैध बजरी खनन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया । पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान एएसआई गोपाल लाल, कांस्टेबल सूर्यज्ञान सिंह, बाबूलाल आदि शामिल थे।

ईनामी अपराधी की सूचना देने वाले को मिलेगा 20 हजार का पारितोषिक

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के कोतवाली थाने का एक अपराधी है जो काफी समय से पुलिस को गच्चा देकर फरार चल रहा है आरोपी पर कोतवाली थाने में 101/26 की धारा में मामला दर्ज है । जिस पर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने 20 हजार रु के ईनाम की घोषणा की है । सूचना देने वाले को पुलिस अधीक्षक द्वारा 20 हजार रु के ईनाम से पुरुस्कृत किया जाएगा।

सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा । पारितोषिक वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा का निर्णय अंतिम होगा । आरोपी की सूचना देने के लिए 01482232012, 9414331818, 9414884003 इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

बेखौफ बदमाशों ने मां-बेटी को बनाया निशाना, डेढ़ तोले की सोने की चेन छीनी

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

प्रतीकात्मक फोटो

भीलवाड़ा शहर में बदमाशों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार को बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात के दौरान बदमाशों ने महिला के साथ मौजूद उसकी छोटी बच्ची को भी नुकसान पहुँचाने की कोशिश की।

मिली जानकारी के अनुसार, सांगानेरी गेट स्थित जैन ज्योति कॉलोनी निवासी श्वेता जैन पत्नी अभय सिंह चौधरी गुरुवार दोपहर करीब अपनी स्कूटी से शास्त्री नगर जा रही थीं। वह अपनी छोटी बच्ची आरणा को अपने पीहर छोड़ने जा रही थीं। जैसे ही वे आजाद चौक से आगे बढ़कर बडला चौराहा के पास पहुंचीं, पीछे से एक पल्सर बाइक पर सवार दो युवकों ने उन्हें ओवरटेक किया।

बच्ची की गर्दन पकड़ने का किया प्रयास

पीड़िता ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने अचानक उनके गले पर झपट्टा मारा और करीब डेढ़ तोले वजनी सोने की चेन तोड़ ली। इस दौरान बदमाशों ने स्कूटी पर बैठी मासूम बच्ची आरणा की गर्दन भी पकड़ ली, जिससे महिला का संतुलन बिगड़ते-बिगड़ते बचा।बिना नंबर की बाइक पर आए थे लुटेरे। श्वेता जैन ने बहादुरी दिखाते हुए बदमाशों की बाइक का नंबर देखने की कोशिश की, लेकिन बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पीछे बैठे बदमाश ने अपना चेहरा कपड़े से ढक रखा था। लूट की इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ तेज रफ्तार में भाग निकले।

पुलिस जांच में जुटी

घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

भीलवाड़ा में महाआरती एवं विशाल भंडारा 5 अप्रैल को, भक्तों में उत्साह

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। आगामी 5 अप्रैल 2026, रविवार को श्री भीत के बालाजी नवयुवक मंडल एवं समस्त भक्तगणों के तत्वावधान में महाआरती एवं विशाल भंडारा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम माता अंजनी के लाल एवं श्रीराम के दुलारे हनुमानजी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन का शुभारंभ प्रातः 10.15 बजे से होगा और यह कार्यक्रम प्रभु इच्छा तक चलेगा। आयोजन स्थल श्री भीत के बालाजी मंदिर, मंगला चौक, भीलवाड़ा निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और महाआरती का आयोजन होगा, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में विशेष तैयारियां की जा रही हैं और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

गौड़ साहब की तृतीय पुण्यतिथि पर विश्व का सबसे कम समय में हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

शहर में 3 अप्रैल शुक्रवार को समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी स्वर्गीय प्रभुलाल गौड़ (गौड़ साहब) की तृतीय पुण्यतिथि पर विश्व का सबसे कम समय में श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। पाठक जितेन्द्र गौड़ ने बताया कि निरंतर 21 बार हनुमान चालीसा पाठ 20 मिनट 50 सेकंड में पूरा हुआ, जो अभी तक विश्व बुक में दर्ज नहीं हुआ और न ही किसी ने किया है। इस पाठ का लाखेरी टेक यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण किया गया है, जिसको गिनीज बुक, लिम्का बुक, ओएमजी बुक के प्रतिनिधियों ने लाइव प्रसारण देखा गया है। इस पाठ को विश्व बुक में दर्ज कराने के लिए वीडियो एवं फोटो बुक के प्रतिनिधियों को भेजा जाएगा, जो प्रमाणित करेंगे उसके बाद आयोजक को प्रमाण पत्र सौंपेंगे। आयोजन गौड़ साहब की धर्मपत्नी पार्वती बाई द्वारा उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए आयोजित किया गया। इस दौरान परिवार के सदस्यों सहित पंडित भी मौजूद रहे।

इससे पहले भी लाखेरी शहर के नाम तीन विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो चुके, गौड़ साहब की प्रथम पुण्यतिथि पर विश्व का सबसे कम समय में सुंदरकांड पाठ 31 मिनट 57 सेंकड, द्वितीय पुण्यतिथि पर विश्व का सबसे कम समय में श्री रामचरितमानस पाठ 15 घंटे 11 मिनट, एवं शादी में विश्व की सबसे अधिक ताजा 11,111 फूलों से दूल्हे की कार को सजाया गया था। शहर के नाम पर तीन विश्व रिकॉर्ड वर्ल्ड बुक में दर्ज होने से विश्व में लाखेरी शहर का नाम रौशन हुआ है, जो शहरवासियों के लिए हर्ष की बात है।

देवनारायण धाम में आस्था का सैलाबः 51 कलशों के साथ निकली शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल|मंगरोप

मंगरोप कस्बे से करीब 3 किलोमीटर दूर बनास नदी किनारे बसे दरी (जूनावास) के 513 साल प्राचीन देवनारायण मंदिर में शुक्रवार से भव्य धार्मिक आयोजन की शुरुआत हुई। यज्ञ सम्राट राजऋषि गंगादास नागा के सानिध्य में 51 कुंडीय नव दिवसीय श्री विष्णु देवनारायण महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।सुबह 10 बजे मंदिर परिसर से भव्य जल कलश यात्रा निकाली गई। गंगादास जी महाराज हाथी पर सवार होकर श्रद्धालुओं के साथ दरी गांव होते हुए झोपड़ियां स्थित लोकदेवता उदमा देवजी के मंदिर पहुंचे।यहां यज्ञाचार्य पंडित विकास शास्त्री ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ कलशों का पूजन कराया।इसके बाद महिलाओं ने 51 कलश सिर पर धारण कर भव्य शोभायात्रा निकाली।यात्रा में चार घोड़ों पर सवार संत,सामाजिक कार्यकर्ता और सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

कलश यात्रा झोपड़ियां गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची।जहां वैदिक रीति से कलश स्थापना की गई। इसके पश्चात यज्ञाचार्य एवं अन्य पांच पंडितों ने दशविधि स्नान, प्रायश्चित हवन, पंचांग पूजन, वरुण पूजन, नांदी श्राद्ध, मंडप प्रवेश और अग्नि स्थापना जैसे प्रमुख अनुष्ठान सम्पन्न कराए।शाम को विशाल सामूहिक भोज का आयोजन हुआ,जिसमें 51 गांवों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।मंदिर के मुख्य पुजारी रतनलाल गुर्जर और हजूरिया गोपाल बैरवा ने बताया कि 3 अप्रैल से 11 अप्रैल तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।प्रतिदिन शाम को प्रसिद्ध भजन गायक कलाकारों की प्रस्तुतियां भी होंगी।

आयोजन की खास बात यह है कि उदयपुर के महाराज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी आगामी दिनों में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।उन्हें गंगादास जी महाराज सहित ग्रामीणों ने उदयपुर जाकर आमंत्रित किया है।आयोजन में करीब 1 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है।साथ ही प्रदेशभर से 101 संतों और 2 से 3 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन किया गया है,जहां खाने-पीने की दुकानों,खिलौनों के स्टॉल और विशाल झूले-चकरियां आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

पूरे आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ मेले जैसा माहौल देखने को मिल रहा है।

लाडपुरा में बने ओपन जिम अब खुली हवा में एक्सरसाइज कर सकेंगे लोग

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे के निवासियों के लिए खुशखबरी है। अब उन्हें खुली हवा में एक्सरसाइज करने का अवसर मिलेगा। कस्बे के लोगों को स्वस्थ रहने में मिलेगी मदद, यहां हर आयु वर्ग के लोग प्राकृतिक वातावरण के बीच व्यायाम कर सकेंगे।

डीएमएफटी योजना के तहत जिला परिषद् भीलवाड़ा को ओपन जिम स्थापना कार्य के लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह योजना 2025-26 वर्ष के लिए स्वीकृत की गई है और ग्राम पंचायत द्वारा सिंचाई विभाग भवन पर ओपन जिम स्थापना कार्य किया गया।

ओपन जिम स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मुफ्त में सुविधा प्रदान करना है। इससे लोगों को अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और वे तनाव, चिंता और अवसाद से मुक्त हो सकेंगे।

ओपन जिम स्थापना के लाभः

मुफ्त में सुविधा, स्वास्थ्य में सुधार, तनाव, चिंता और अवसाद से मुक्ति, ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए सुविधा

प्रशासक प्रकाश कंवर शक्तावत ने कहा कि इससे ग्रामीणों को स्वस्थ जीवन शैली का अवसर प्राप्त होगा। लोगों को तनाव, चिंता और अवसाद से मुक्ति मिल सकेगी। प्राकृतिक वातावरण और ताजी हवा स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होगी। लोगों के बीच आपसी संपर्क प्रगाढ़ होगा। सभी उम्र के लोग अपनी क्षमता, इच्छा एवं समय की उपलब्धता के अनुसार व्यायाम कर सकेंगे। लाडपुरा में ओपन जिम बन चुका है, जहां लोग इसका लाभ ले रहे हैं।

सांवरिया टीम बस्सी की बैठक में वैवाहिक परिचय सम्मेलन की तैयारी तेज

स्मार्ट हलचल |चित्तौड़गढ़

न्यू मेवाड़ माहेश्वरी परिचय मित्रा की ब्रांच सांवरिया टीम बस्सी द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में माहेश्वरी समाज के युवक-युवतियों के बायोडेटा संग्रहण एवं उपयुक्त वैवाहिक रिश्तों के समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में समाज के अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने और व्यवस्थित तरीके से परिचय प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी 12 तारीख को आयोजित होने वाले परिचय काउंसलिंग सम्मेलन की तैयारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

न्यू मेवाड़ माहेश्वरी परिचय मित्रा की संचालक स्नेहलता भंडारी (चित्तौड़गढ़, राजस्थान) ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मेलन समाज के युवक-युवतियों के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करेगा, जहां वे आपसी परिचय के माध्यम से अपने जीवनसाथी का चयन कर सकेंगे। उन्होंने समाज के सभी परिवारों से सम्मेलन में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग, परीक्षा कैलेंडर एकीकृत करने की उठी आवाज

ओपन स्कूल के विद्यार्थियों को समयबद्ध परिणाम व प्रतियोगी परीक्षाओं में अवसर दिलाने हेतु ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की परीक्षा प्रणाली में सुधार और राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के साथ परीक्षा कैलेंडर में समन्वय स्थापित करने की मांग को लेकर भीलवाड़ा जिले के निवासी लक्ष्मण लाल गोस्वामी ने जिला कलेक्टर के माध्यम से संबंधित विभागों को ज्ञापन भेजा है।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में 'स्ह्रस्र की परीक्षा प्रणाली और परिणाम जारी होने में हो रही देरी के कारण लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से वे विद्यार्थी, जो 9वीं या 11वीं में असफल होने के बाद ओपन स्कूल से अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं, उन्हें समय पर परिणाम नहीं मिलने से BSTC, PTET, पुलिस/सेना भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि RBSE की मुख्य परीक्षाएं जहां मार्च माह में संपन्न हो जाती हैं, वहीं 'स्ह्रस्र की परीक्षाएं मई-जून तक आयोजित होती हैं। इस 2-3 माह के अंतर के कारण ओपन स्कूल के विद्यार्थी विभिन्न प्रवेश प्रक्रियाओं और महत्वपूर्ण डेडलाइन से चूक जाते हैं।

इसके अलावा, पूरक परीक्षा के आयोजन में भी असमानता बताई गई है। RBSE द्वारा अगस्त में पूरक परीक्षा आयोजित कर विद्यार्थियों का शैक्षणिक वर्ष बचा लिया जाता है, जबकि 'स्ह्रस्र की द्वितीय सत्र परीक्षाएं अक्टूबर-नवंबर में होती हैं, जिससे परिणाम आने तक अगले सत्र के प्रवेश बंद हो जाते हैं।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि वर्तमान में ओपन स्कूल में अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थी युवा वर्ग के हैं, जिन्हें समय पर परिणाम मिलना अत्यंत आवश्यक है ताकि वे अन्य नियमित विद्यार्थियों के समान प्रतिस्पर्धा कर सकें।

मुख्य मांगें:

RSOS की मुख्य परीक्षाएं मार्च-अप्रैल में आयोजित की जाएं।

RBSE के साथ परीक्षा कैलेंडर को एकीकृत किया जाए।

परीक्षा परिणाम समयबद्ध तरीके से जारी किए जाएं।

प्रशासनिक स्तर पर सुधार कर प्रक्रिया को तेज एवं पारदर्शी बनाया जाए।

ज्ञापन में विभाग से अपील की गई है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाए जाएं।

हनुमान जन्मोत्सव पर लगाया भोग व भजन संध्या आयोजित

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में हनुमान जन्मोत्सव पर गुरुवार रात के दोनों बालाजी मन्दिरों में प्रसाद का भोग लगाया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष भजन संध्या का आयोजन बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा दोनों मंदिर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। नन्द लाल वैष्णव एवं मोतीलाल गुजर भजन कलाकार के सानिध्य में 12 बजे तक चली भजन संध्या में सभी श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया स्थानीय सभी भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। रात्रि 12 बजे बालाजी की पूजा अर्चना और भोग लगाकर प्रसाद बांटा गया। दोनों बालाजी मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, और भगवान के भजनों पर भक्तों ने नृत्य भी किया। बालाजी की मूर्ति का विशेष श्रृंगार किया गया और मंदिरों में सजावट की गई। इस दौरान भजन कीर्तन के कार्यक्रम हुए। वहीं बालाजी मंदिर पर आयोजित भजन संध्या में नन्द लाल वैष्णव एवं मोती लाल गुर्जर, विजय राम माली, बद्री लाल सोनी, खाना धाकड़ ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजन गाए। इसमें गांव के भजन कलाकार का सहयोग मिलता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित विशेष भजन संध्या पर ग्रामीणों ने सभी भजन कलाकारों का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। इस भजन संध्या में प्रति शनिवार को नन्द लाल वैष्णव एवं मोती लाल गुर्जर, विजय राम माली, बद्री लाल सेनी, खाना धाकड़, नियमित रूप से भाग ले रहे है। इनके सहयोग के लिए धर्मराज जांगिड़ एवं आस पास के क्षेत्र के भजन कलाकारों का भी सहयोग मिलता रहता है। इसी तरह चौराहे पर हनुमान मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया और प्रसाद वितरण किया गया।

चंवरा हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव धूमधाम से, शोभायात्रा में उमड़ी भीड़

स्मार्ट हलचल

आकोला। कस्बे के निकट स्थित चंवरा का हनुमान जी मंदिर पर श्री हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक और भक्तिमय वातावरण बना रहा। चंवरा का हनुमान जी विकास कमेटी के अध्यक्ष बालूराम अहीर ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर चांदगढ़ निवासी रामचंद्र प्रजापत के सानिध्य में आरती के पश्चात पुजारी प्रहलाद वैष्णव द्वारा भगवान हनुमान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थत रहे।

इससे पूर्व रात्रि को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने देर रात तक भजनों का आनंद लिया। छप्पन भोग कार्यक्रम में पूर्व प्रधान कोटड़ी विजय सिंह राणावत, पूर्व सरपंच शोभालाल जाट,सत्यनारायण काबरा,प्रकाश रैगर,सुरेश बसेर,पुजारी बजरंग दास वैष्णव,प्रहलाद वैष्णव, सांवर मल वैष्णव,सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। सुरास स्थित हनुमान मंदिर से दोपहर 4 बजे रथ के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा सुरास तेजाजी चौक से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई चंवरा हनुमान मंदिर पहुंची।

इस दौरान डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए शामिल हुए और पूरे मार्ग में जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

सायंकालीन आरती के समय शोभायात्रा मंदिर पहुंची, जहां भगवान हनुमान को ध्वजा एवं गद्दा अर्पित किया गया। आयोजन संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं राजभोग के साथ हुई, जिसने पूरे आयोजन को भक्तिमय स्वरूप प्रदान किया।

हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा जनसैलाब, भव्य शोभायात्रा और सामूहिक भोज में दिखी गांव की एकता

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंगरोप कस्बे में भव्य और आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई।जिसमें पूरे गांव का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी।शोभायात्रा में नन्हे-मुन्ने बच्चों को राम परिवार का स्वरूप धारण कराया गया।राम,सीता,लक्ष्मण,भरत,शत्रुघ्न के साथ हनुमान जी एवं दो अंगरक्षक विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।शोभायात्रा में विभिन्न झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।महावीर वैष्णव ने बुजुर्ग महिला का रूप धारण कर सभी को चौंका दिया,वहीं दिनेश किर महाकाल के रूप में नजर आए,जो शोभायात्रा के मुख्य आकर्षण रहे।पीरू किर ने बालाजी महाराज का स्वरूप धारण कर श्रद्धालुओं की खूब वाहवाही बटोरी।शोभायात्रा डूंगर पाछला बालाजी मंदिर से रवाना होकर माता का मंड, तेजाजी चौक,मालियों का मंदिर,डाड मोहल्ला,बड़ा मंदिर चौक,बाजार के हनुमान जी,जलालियां चौक,सब्जी मंडी, मस्जिद चौक, रामदेव जी मंदिर, अंबेडकर सर्किल, खटीक मोहल्ला, बस स्टैंड एवं कीर मोहल्ला होते हुए पुनः अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची।पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

सामूहिक भोज में दिखी मिसाल...शोभायात्रा के समापन पर महाआरती के बाद पूरे गांव के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया।इस आयोजन में करीब 3 हजार लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की। 'एक संगत,एक पंगत 'की भावना के साथ आयोजित इस भोज में खास बात यह रही कि किसी ने भी जूठन नहीं छोड़ी,जो अनुशासन और एकता की अनूठी मिसाल बनी।भोजन व्यवस्था में पूरे गांव के लोगों ने मिलकर सहयोग दिया।

प्रशासन नदारद,पुलिस का रहा सहयोगः

कार्यक्रम के दौरान थाना पुलिस का कानूनी व्यवस्थाओं में पूरा सहयोग रहा,जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।वहीं प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम से नदारद नजर आए।

बाजार के बालाजी के यहां हुआ सुंदरकांड का आयोजनः

भोजन के पश्चात श्रद्धालु बाजार स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे,जहां सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को आमरस,केले और अन्य फलों का प्रसाद वितरित किया गया।कार्यक्रम के अंत में बड़े मंदिर अध्यक्ष राघव सोमानी ने सभी श्रद्धालुओं एवं पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।इस अवसर पर अशोक पाराशर,मयूर पाराशर,लादूलाल किर,भेरू खटीक मामा,राकेश तेली,दिनेश किर,पिंटू झाला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम सम्पन, 56 भोग लगाया

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। छोटी बिजौलिया बावड़ी के बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष पर बुधवार रात्रि सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया गया व गुरूवार को हर वर्ष की भाँति बालाजी महाराज का भव्य जुलूस निकाला गया जिसमे घोड़ी, बैंड बाजे व बग्गी और कच्ची घोड़ी नृत्य एवं जुलूस में श्री राम जी, सीता माता,लक्ष्मण जी, हनुमान जी महाराज की जीवंत झांकिया मुख्य आकर्षण रही,जुलूस पूरे गाँव मे निकाला गया जिसमें बड़े मंदीर, छोटे मंदिर व तेजाजी मंदिर पर आरती कर प्रसाद वितरित किया गया, जुलूस वापसी पर बालाजी महाराज की महाआरती कर 56 भोग लगाया जिसमे सेकड़ो ग्रामवासी, महिलाएं, पुरुष उपस्थत रहे,बालाजी मंदीर पर नियमित हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाता हैं व प्रत्येक मंगलवार सांय काल रामफेरि निकाली जाती हैं,मंदीर परिसर के विकास कार्यो मे भामाशाओं द्वारा विकास भी करवाया जा रहा है,मंदीर परिसर मे नर्मदेश्वर महादेव की स्थापना भी महाशिव रात्रि पे की गयी थी और अखंड जोत भी चली आ रही है।

किसानों के लिए वरदान साबित होगा हिन्दुस्तान जिंक द्वारा स्थापित होने वाला राजस्थान का पहला फॉस्फेट खाद कारखाना

कृषि में उर्वरक के लिए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य एवं स्थानिय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लिए मील का पत्थर

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौडगढ़।हिन्दुस्तान जिंक द्वारा चित्तौडगढ़ में प्रस्तावित खाद कारखाना राजस्थान एवं उत्तर भारत का पहला फॉस्फेट खाद का कारखाना होगा। राजस्थान और देश में खाद की भारी कमी को देखते हुए यह कारखाना लगाया जा रहा हैं। इस कारखाने के आने के बाद चित्तौड़गढ़ जिला एवं सम्पूर्ण राजस्थान में खाद की कमी को पूरा करने के साथ ही अन्य राज्यों में भी उर्वरक की उपलब्धता होगी। कृषि के लिए अनिवार्य उर्वरक फॉस्फेट के लिये यह कारखाना प्रदेश और देश को आत्मनिर्भर बनाने में महती भूमिका निभाएगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य एवं स्थानिय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की खाद की आवश्यकता एवं बिक्री लगभग 707.04 लाख मीट्रिक टन थी, जिसमें खरीफ के लिए 344.40 और रबी के लिए 362.63 लाख मीट्रिक टन शामिल था। इस अवधि में किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन और आयात 679.16 लाख टन उर्वरक की खरीद की। जो अनुमानित मांग से लगभग 1 प्रतिशत अधिक थी। यूरिया का उत्पादन 306.40 आयात 56.47 रहा जबकि बिक्री अनुमानित मांग 387.74 लाख मीट्रिक टन रही। डीएपी यानि डाई-अमोनियम फॉस्फेट की उत्पादन 37.69 आयात 45.69 कुल 8 3.38 लाख मीट्रिक टन रही।

वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्थान में यूरिया का उत्पादन लगभग 38.69 लाख मीट्रिक टन था, डीएपी का राजस्थान में कोई संयंत्र संचालित नही है जिससे उत्पादन नही है।

संतुलित उपयोग की कमी एक बडी समस्या है, अक्सर किसान सरकार की सब्सिडी के कारण यूरिया का अधिक इस्तेमाल करते हैं और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों, जैसे फॉस्फेट और पोटाश का कम उपयोग

करते हैं। इससे मिट्टी की सेहत खराब होती है।

राजस्थान में उर्वरक की आवश्यकता रबी जिसमें गेहूं, सरसों और खरीफ बाजरा, मूंगफली की फसलों के लिए उर्वरक की भारी मांग रहती है। आयात पर निर्भरता से फॉस्फेट और एमओपी के लिए आयात पर निर्भरता से आपूर्ति में मुश्किलें आ सकती हैं। भारत और राजस्थान दोनों में खाद की मांग लगातार बनी हुई है। आयात पर निर्भरता कम करना और संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देना भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं।

खाद के लिए चित्तौडगढ़ में शुरू होने वाले इस प्लांट से राजस्थान एवं निकटवर्ती क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कारखाने की क्षमता दो चरणों में 10 लाख टन प्रतिवर्ष उत्पादन की रहेगी जिसमें डाई अमोनियम फॉस्फेट, नाईट्रोजन फॉस्फोरस पोटेशियम तथा अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट रहेगी। फॉस्फेट उर्वरक के उत्पादन से सम्पूर्ण राजस्थान का किसान हर्षित होगा और उसकी पैदावार में बढ़त होगी। इस कारखाने के आने के बाद खाद की मॉग एवं पूर्ति में संतुलन आएगा। राजस्थान देश में फर्टिलाइजर उर्वरक के मामलें में स्वावलंबी होगा। इस कारखाने को बनाने में पहले चरण में 2700 करोड़ रूपए से अधिक का निवेश किया जा रहा है।

यह कारखाना अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है जिसमें पर्यावरण सरंक्षण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। वर्तमान कारखाने में उत्पादित सल्फ्युरिक एसिड का उपयोग कच्चे माल के रूप में होगा। लगभग 111 करोड़ रूपए सुरक्षा एवं पर्यावरण क्षेत्र में उच्च औद्योगिक माानक हेतु खर्च किये जाएंगे। कारखाने के निकटवर्ती क्षेत्रों के निवासियों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ होगा। कारखाना निर्माण के दौरान एवं बनने के बाद लगभग 5000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। आर्थिक एवं सामाजिक रूप से निकटवर्ती क्षेत्र के निवासियों के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा। अप्रत्यक्ष रूप से मकान किराया, भूमि किराया, व्यापार में वृद्धि किराणा, सब्जी, ढाबे, होटल, यातायात-टेम्पो एवं टेक्सी, ट्रक कपड़ा व्यवसाय सिलाई, विद्यालय जैसे कई क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा।

राजस्थान सरकार एवं केन्द्र सरकार को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों एवं राजस्व के माध्यम से लाभ होगा। अच्छी किस्म का उर्वरक किसानों को मिलने से उन्हें उपज का मंडी से अच्छा मुनाफा होगा। निकटवर्ती क्षेत्रों में सीएसआर के अन्तर्गत आधारभूत ढॉचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं पशुधन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सरंक्षण, सुरक्षा एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए चलायी जा रही योजनाओं के साथ ही अन्य योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव आएगा। युवा शक्ति को कौशल प्रशिक्षण से रोजगार में लाभ मिलेगा। चित्तौड़गढ़ जिला राजस्थान एवं भारत के मानचित्र पर अपनी अमिट छाप छोड़ेगा।

प्रतिबंधित नीम के पेड़ों पर वन माफियाओं का कहर, वन विभाग पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल |खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में प्रतिबंधित नीम के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि वन माफिया लगातार हरे-भरे पेड़ों को काट रहे हैं, जबकि वन विभाग और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लग रही है।

जानकारी के अनुसार, शिवपुरी चौकी क्षेत्र के शिवपुरी गांव में दिनदहाड़े चार विशाल नीम के पेड़ों को काट दिया गया। वहीं शिवदासपुर गांव में करीब आधा दर्जन हरे नीम के पेड़ों को धराशायी कर दिया गया। इसी तरह जहांगीर नगर गहुरा में भी भारी भरकम नीम के पेड़ों की कटाई कर वन विभाग और प्रशासन को खुली चुनौती दी गई।

मामला यहीं नहीं रुका। धाता थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित लकड़ी से भरी एक पिकअप को वन विभाग ने पकड़ा, जहां 'सेटिंग' के प्रयासों की चर्चा है। वहीं दो दिन पूर्व बिछियावां गांव के पास भी ठेकेदार द्वारा नीम का पेड़ काटे जाने का आरोप है, जिसमें कथित रूप से लकड़ी ले जाने में सफलता मिल गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग कार्रवाई का दावा करता है, लेकिन जब्त लकड़ी कहां रखी जाती है, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जाता। लगातार हो रही कटाई से दोआबा क्षेत्र की हरियाली पर संकट गहराता जा रहा है। हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर चलाए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान पर भी सवाल उठने लगे हैं।

ग्रामीणों ने अवैध कटान पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी खागा विवेक शुक्ला ने बताया कि जिन जिन स्थानों पर प्रतिबंधित प्रजाति के वृक्षों का काटन की सूचना प्राप्त हुई है वहां पर टीम भेज कर प्रतिबंधित प्रजाति लकड़ी सहित पिकअप को सींज किया गया है बाकी ठेकेदारों के ऊपर उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

छुरा लेकर आमजन में दहशत फैलाने, पोक्सो एक्ट सहित अन्य मामलों में 4 अपराधी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

थाना बिजौलिया ने अलग-अलग अपराध करने वाले अपराधियो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए

पोक्सो के प्रकरण में वांछित आरोपी सुभाष खटीक को गिरफ्तार किया, इसी प्रकार छुरा लेकर आमजन में दहशत फैलाने वाले आरापी रमेश बलाई को गिरफ्तार किया साथ ही बिजौलिया में पत्रकार श्याम विजयव को धमकाने व मारपीट करने वाले आरोपी लक्ष्मीनारायण व हेमन्त को गिरफ्तार किया है ।

पोक्सो एक्ट में इसे किया गिरफ्तार

पोक्सो एक्ट वांछित आरोपी सुभाष चन्द्र खटीक पुत्र चतुर्भुज खटीक उम्र 36 साल निवासी टिचाटोल कॉलोनी बिजौलिया, को डिटेन कर मामले की जांच पड़ताल कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

छुरा लेकर आमजन में फैला रहा था दहशत

दिनांक 03.04.2026 को सुचना मिली ग्राम गोविन्दपुरा में रमेश बलाई हाथ में छुरा लिये घुमकर आमजन में दहशत फैलाकर डरा रहा है कोई अनहोनी घटना कर सकता है। उक्त सुचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए लक्ष्मण सिंह सउनि मय जाप्ता के ग्राम गोविन्दपुरा में दबिश देकर रमेश बलाई द्वारा गांव में खुलेआम छुरा लेकर घुमने और आमजन को डराकर दहशत फैलाने वाले को मौके पर आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया ओर छुरा जब्त कर सम्बन्धित धारा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की ।

पत्रकार के साथ मारपीट और धमकी के मामले में दो गिरफ्तार

प्रार्थी श्यामसुन्दर विजयवर्गीय निवासी बिजौलिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि लक्ष्मीनारायण उर्फ कालू अहीर व उसके अन्य साथियों द्वारा पीछा कर मारपीट की उक्त रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की ओर मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए लक्ष्मीनारायण उर्फ कालू पिता किशनलाल अहीर,निवासी छोटा दरवाजा बिजौलिया व हेमन्त पिता हनुमान प्रसाद जांगिड़ थाना आरकेपुरम जिला कोटा को डिटेन कर गिरफ्तार किया गया। जिनसे प्रकरण में गंभीरता से अनुसंधान व पुछताछ जारी है।

देवउठनी एकादशी पर होगा खटीक समाज का 13वां सामूहिक विवाह सम्मेलन, भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

श्री शिव मण्डल खटीक समाज सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में समाज के 13वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का शंखनाद हो चुका है। आयोजन को लेकर बैठक चांदकरण खोईवाल की अध्यक्षता एवं समिति अध्यक्ष बंशीलाल पटेल के नेतृत्व में हुई जिसमें सम्मेलन की आधिकारिक घोषणा की गई। यह भव्य आयोजन आगामी देवउठनी एकादशी 2026 को आयोजित किया जाएगा। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष रमेश चंद्र खोईवाल एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवराम डीडवानिया (जीपी) के साथ ही ओमप्रकाश चावला विशेष रूप से उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष बंशीलाल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन को भव्य रूप देने के लिए कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। बैठक के दौरान समाज के प्रबुद्धजनों ने सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की और आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया।

इस महत्वपूर्ण चर्चा में हजारी सोलंकी, श्याम खींची, अंबालाल पटेल, शांतिलाल चावला, लक्ष्मीनारायण डीडवानिया, बंशीलाल खोईवाल, सत्यनारायण खोईवाल, घनश्याम खोईवाल, चुन्नीलाल खोईवाल, पुष्पेंद्र पटेल, रामप्रसाद पटेल और शंकर लाल खींची सहित समाज के कई प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में समाज के इस सामूहिक पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

मांगों को लेकर उपखंड कार्यालय विराटनगर के बाहर विरोध-प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

विराटनगर। नगरपालिका क्षेत्र में कार्यरत ठेका सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर पालिका क्षेत्र में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया। कर्मचारियों ने ठेकेदार की ओर से नियुक्त कथित सुपरवाइजर को हटाने सहित कई लंबित मांगों के समाधान की मांग उठाई। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस एवं वाल्मीकि सेना की ओर से सफाई कर्मचारियों ने विराटनगर के रामलीला मैदान में आयोजित बैठक के बाद रैली निकालते हुए कर्मचारी उपखंड कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने प्रदर्शन कर अपनी मांगों के अलावा

साप्ताहिक अवकाश की सुविधा शाहिद विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन पत्र दिया। उन्होंने मांग की है की सुपरवाइजर के पद पर वाल्मीकि समाज के व्यक्ति को नियुक्त किया जाए और सभी सरकारी विभागों में ठेका प्रथा को समाप्त किया जाए। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने नगर पालिका अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की। इस पर सहायक अभियंता हरिसिंह कुमावत मौके पर पहुंचे और ठेका सफाई कर्मचारियों से वार्ता की, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। वाल्मीकि समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई और कथित सुपरवाइजर को नहीं हटाया तो कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।इस दौरान कर्मचारियों ने उपखंड अधिकारी के नाम तहसीलदार लालाराम यादव को ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज वाल्मीकि, सुरेंद्र वाल्मीकि और सुल्तान वाल्मीकि, सुरेंद्र वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में ठेकेदार की ओर से एक गैर वाल्मीकि व्यक्ति मामराज सोलंकी को सुपरवाइजर नियुक्त कर रखा है जो कार्मिकों के साथ अभद्रता करता है। लंबे समय से उन्हें न्यूनतम वेतन के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा।

बडौली घाटा में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया, निकली भव्य शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

समीपवर्ती गांव बडौली घाटा में हिंदू युवा संगठन एवं समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया।

कार्यक्रम के तहत विधि-विधान से हवन एवं अभिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके पश्चात भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसने पूरे गांव का माहौल भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा में बाहुबली हनुमान जी की आकर्षक झांकी एवं वानर सेना विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालु 'जयकारा वीर बजरंगी का' के जयघोष के साथ वातावरण को गुंजायमान करते रहे। यह शोभायात्रा बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर चारभुजा नाथ मंदिर, मीणा मोहल्ला, गायरी मोहल्ला, जाट मोहल्ला, बड़ा मंदिर चारभुजा नाथ तथा सुथार मोहल्ला होते हुए पुनः बालाजी मंदिर पहुंची।कार्यक्रम का समापन मंदिर परिसर में महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर गांव के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

महज 1 घंटे में 7 साल के मासूम को मिलाया परिवार से, अजमेर पुलिस की हर तरफ तारीफ

स्मार्ट हलचल| जयपुर

अजमेर की कोतवाली थाना पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि खाकी केवल सुरक्षा का नाम नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक है। शहर के व्यस्ततम इंडिया मोटर सर्किल के पास रास्ता भटके एक 7 वर्षीय मासूम को पुलिस ने न केवल सुरक्षित संरक्षण में लिया, बल्कि अपनी तत्परता से महज 60 मिनट के भीतर उसे उसके माता-पिता की गोद में पहुंचा दिया।

घटना 31 मार्च की है, जब कचहरी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर इंडिया मोटर सर्किल

के पास एक 7 साल का बच्चा अकेला और डरा हुआ घूम रहा था। राहगीरों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। कोतवाली थाने से सहायक उप-निरीक्षक शिवलाल और कांस्टेबल विनोद कुमार बिना देरी किए मौके पर पहुंचे और बच्चे को प्यार से पुचकार कर अपनी सुरक्षा में लिया।

60 मिनट का मिशन मिलाप

पुलिसकर्मियों ने बच्चे से बड़े ही आत्मीय भाव से पूछताछ की, जिसके बाद बच्चे ने अपने घर का पता बताया। जवानों ने तुरंत बच्चे के बताए पते पर संपर्क किया और महज 1 घंटे के भीतर उसे सकुशल परिजनों को सौंप दिया। अपने खोए हुए बच्चे को इतनी जल्दी वापस पाकर परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए।

एसपी ने थपथपाई पीठः

जवानों की इस तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की गूंज जिला मुख्यालय तक पहुंची। अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने इस सराहनीय कार्य के लिए एएसआई शिवलाल और कांस्टेबल विनोद कुमार को 2100-2100 रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

एसपी का संदेशः ऐसे कार्यों से जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत होता है। जो कार्मिक अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी और मानवीय संवेदना के साथ निभाएंगे, उन्हें विभाग हमेशा प्रोत्साहित करेगा।

मौत के मुहाने से लौटाई जिंदगीः अजमेर पुलिस बनी 'जीवनरक्षक',: आनासागर में डूबते बुजुर्ग को बचाया

स्मार्ट हलचल| जयपुर

जब एक पल की देरी जिंदगी और मौत के बीच फर्क तय कर सकती थी, तब अजमेर पुलिस ने अपनी सतर्कता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता से एक बुजुर्ग को नया जीवन दे दिया। यह घटना न सिर्फ एक सफल रेस्क्यू है, बल्कि वर्दी के पीछे छिपे मानवीय चेहरे की मिसाल भी है।

प्रकरणानुसार अजमेर जिले के किशनगढ़ निवासी कैलाश गर्ग (लगभग 70 वर्ष) ने अचानक आनासागर झील में छलांग लगा दी। झील किनारे मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थिति की

गंभीरता को समझते हुए तत्काल सूचना हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची। हेड कांस्टेबल सज्जन कुमार और कांस्टेबल नरसीराम, पुखराज, बद्रीप्रसाद व राजकुमार ने अदम्य साहस और तत्परता दिखाते हुए झील में डूब रहे बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हर पल की जंग में पुलिस की तेजी और टीमवर्क ने एक जिंदगी बचा ली।

रेस्क्यू के बाद तुरंत प्राथमिक उपचार दिलाया गया और फिर परिजनों से संपर्क कर बुजुर्ग को सकुशल उनके हवाले किया गया।

इस प्रेरणादायक कार्य के लिए जिला पुलिस अधीक्षक, अजमेर हर्षवर्धन अगरवाला ने सभी जवानों को 1100-1100 नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने कहा कि इस पूरी कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि पुलिस सिर्फ कानून की रखवाली ही नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी संरक्षक भी है।

उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन आगे भी इसी प्रकार किया जाता रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील भी की कि किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि यह घटना बताती है कि जब पुलिस और समाज साथ खड़े होते हैं, तो हर संकट को हराया जा सकता है।

आजाद नगर माहेश्वरी महिला संगठन का दायित्व सोपान कार्यक्रम सम्पन्न

नारी पूरे समाज की आधार शिला होती है, उसका सशक्त होना अत्यंत आवश्यकः वीणा मोदी

नवदुर्गा के नौ रूपों का महत्व बताया, सशक्त नारी के संकल्प के साथ सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागरूकता का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। आजाद नगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रथम सत्र का दायित्व सोपान कार्यक्रम का भव्य आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन एवं महेश वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष वीणा मोदी नगर सचिव विनीता तोषनीवाल रहे। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष प्रेम सुधा अजमेरा ने बताया दायित्व सोपान कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले सत्र के पदाधिकारी द्वारा कार्यभार सोपा

गया। सचिव सुनीता ईनाणी द्वारा नवदुर्गा के रूपों का कार्यक्रम संचालन किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न सदस्यों द्वारा नवदुर्गा के नौ रूपों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए जिसमें नवदुर्गा के नौ रूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री का विशेष महत्व बताया गया। वक्ताओं ने इन रूपों के माध्यम से जीवन में साहस, धैर्य, शक्ति और समर्पण की प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में महिलाओं की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नारी केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की आधारशिला होती है और उसका सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की नई पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए। सभी ने अपने-अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। साथ ही समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मधु सोडाणी, पूनम माहेश्वरी, सुनीता चेचानी, कविता दुधानी सहित पायल की सहभागिता रही। जिन सदस्यों ने नवदुर्गा के बारे में बताया उन्हें पारितोषिक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मानकवर काबरा, लीला काबरा, डॉ राखी राठी, संगीता काकानी, ममता चेचानी, शीतल बिड़ला, सुमन चौधरी, गोरी जागेटिया, प्रीति चांडक, अर्चना अजमेरा, कविता समदानी, अलका सोडाणी, उमा धुत, विद्या अजमेरा सहित करीब 60 सदस्यों की उपस्थिति रही। अंत में सभी ने अल्पाहार लिया।

बागरा कि बेटी अनुष्का भाटी ने लहराया परचम बारहवीं बोर्ड में 96.80% अंक हासिल कर रचा इतिहास

स्मार्ट हलचल

बागरा। बागरा कि होनहार बेटी घांची अनुष्का कुमारी सुपुत्री कान्तिलाल भाटी ने पीएम श्री राजकिय उच्च माध्यमिक विधालय बागरा में बारहवीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 96.80 % अंक हासिल कर रचा इतिहास उन्होंने इस होनहार छात्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नया किर्तिमान स्थापित किया अनुष्का कुमारी भाटी ने न केवल विधालय पूरे क्षेत्र बागरा गांव एवं समाज का नाम रोशन किया। उस कि इस सफलता से सम्पूर्ण घांची समाज एवं बागरा में उत्साह का माहौल है।

गैस एजेंसी का खेल उजागर: 45 दिन तक बुकिंग बंद, बिना गेट पास सप्लाई, सैकड़ों सिलेंडर रिकॉर्ड से गायब

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। धार्मिक नगरी पुष्कर में गैस आपूर्ति को लेकर उठ रही शिकायतों ने आखिरकार बड़ा रूप ले लिया।जिला रसद अधिकारी (प्रथम) अजमेर के निर्देश पर हुई जांच में गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली में ऐसी गड़बड़ियां सामने आईं, जिसने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी। मामले में एजेंसी संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर 6 अप्रैल 2026 तक जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच में सामने आई चौंकाने वाली हकीकत

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध

नहीं कराई जा रही थी। जहां नियमानुसार 25 दिन में बुकिंग होनी चाहिए, वहीं लोगों को 45 दिन तक इंतजार करना पड़ा। इससे आमजन में भारी नाराजगी देखी गई। उपभोक्ताओं ने एजेंसी पर अभद्र व्यवहार करने और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेने के आरोप लगाए।मौके पर गैस डिलीवरी से संबंधित रिकॉर्ड भी अधूरा मिला, डिलीवरी डायरी सही तरीके से मेंटेन नहीं पाई गई। शादी-विवाह जैसे जरूरी अवसरों पर भी गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए जाने की बात सामने आई, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ी।

सबसे बड़ा खुलासा – नियम ताक पर

जांच टीम को कई गंभीर अनियमितताएं मिलीं—बिना गेट पास के गैस सिलेंडर की सप्लाई करीब 525 सिलेंडर स्टॉक रजिस्टर में दर्ज नहीं है ।घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडरों की सप्लाई में भी गड़बड़ी के साथ रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर आ रहा है इतना ही नहीं, सिलेंडरों के वजन और श्रेणी को लेकर भी गड़बड़ी सामने आयी आई, जिससे पूरी आपूर्ति व्यवस्था संदिग्ध हो गई है।

कानून का उल्लंघन स्पष्ट

जांच रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि एजेंसी द्वारा एलपीजी (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के नियमों का उल्लंघन किया गया है।

6 अप्रैल तक अंतिम मौका

प्रशासन ने एजेंसी संचालक को 6 अप्रैल तक स्पष्टीकरण देने का मौका दिया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई तय मानी जा रही है।

जनता परेशान, जिम्मेदारों पर सवाल

लंबे समय से गैस की समस्या झेल रही जनता अब सवाल उठा रही है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाहियां कब से चल रही थीं। वहीं जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी भी चर्चा में है।

नजर अब कार्रवाई पर

पुष्कर में गैस व्यवस्था की यह तस्वीर चौंकाने वाली है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती दिखाता है और क्या आम जनता को राहत मिलती है या नहीं।

बायतु में मुस्लिम समाज द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

बायतु। मुस्लिम समाज बायतु द्वारा बाहरवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की दो होनहार बालिकाओं एवं एक छात्र का सम्मान कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर जुबैदा बानो पुत्री हबीब खान खिलजी ने आर्ट्स संकाय में 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर समाज का नाम रोशन किया। वहीं नजमा पुत्री अब्दुल मुस्तफा ने साइंस संकाय में 90.80 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके अलावा रज्जाक खान पुत्र रफीक खान गौरी ने 93.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। समारोह में तीनों प्रतिभाओं का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। इस दौरान डॉ. नूर मोहम्मद एवं व्याख्याता अब्दुल मुस्तफा ने विद्यार्थियों को मोटिवेशनल संबोधन देते हुए मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण को सफलता की कुंजी बताया।

इस दौरान मौलाना सफी मोहम्मद, डॉ. नूर मोहम्मद, बरकत अली, मुबारक खान, सुबान खान गौरी, बाबू खान गौरी, अब्दुल खान गौरी, अब्दुल गनी, हनीफ खान सोलंकी, हनीफ खान जोगासर, आलम खान मेहर, अब्दुल मुस्तफा, सलीम खिलजी, रोशन सोलंकी, मुस्ताक खान, पत्रकार शौकत सोलंकी, रजाक सोलंकी, सरफू गौरी सहित समाज के मौजिज लोग उप-स्थत रहे।

कलश यात्रा के साथ ही भागवत कथा का शुभारंभ

कथा महामण्डलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करनंद महाराज करेंगे

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। राधे सत्संग महिला मंडल इन्दौर के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन प्रातः 11 बजे महिलाओं द्वारा कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होगा । कथा कथावाचक महामण्डलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का भक्तों को श्रीमुख से ज्ञान गंगा का श्रवण करायेंगे ।

यह जानकारी देते हुए विष्णु त्रिपाठी ने बताया कि महामण्डलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करनन्द महाराज शुक्रवार को शाम को पुष्कर पहुँच गए हैं । त्रिपाठी ने बताया कि कथा की तैयारियाँ पूर्ण की जा चुकी हैं । कथा शाम 4-7बजे तक गनाहेडा में स्थित सावित्री रिसोर्ट ब्रह्मा की नगरी पुष्कर में होगी । कथा का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर लाइव होगा । कथा के प्रथम दिवस पर श्रीमद् भागवत माहत्यम, परिक्षित शुकदेवजी संवाद होगा।

राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में महुवा की डॉ राजरानी सोनी द्वारा लिखित पुस्तक का किया विमोचन

स्मार्ट हलचल

महुवा। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के दादू अध्ययन प्रकोष्ठ हिंदी विभाग की ओर से दो दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'दादूपंथी साहित्य चिंतन के विविध आयाम' संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में महुवा निवासी डॉ राजरानी सोनी द्वारा लिखित पुस्तक 'जैनेंद्र कुमार के उपन्यासों में नारी अस्मिता' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम सत्र अध्यक्ष हेतु भारद्वाज ने इस पुस्तक की शोधप्रख्याता, भाषा शैली तथा विषय की

समकालीन प्रासंगिकता की सराहना की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि पुस्तक जैनेंद्र साहित्य को नारी पक्ष को समझने में उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एन के पाण्डेय, अतिथि के रूप में मदन मोहन महाराज, वैध हरिदास एवं डॉ अखिल शुक्ला ने सम्बोधित किया द्य कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी साहित्यकार डॉ हेतु भारद्वाज जी ने की। कार्यक्रम में स्वागत भाषण स्वामी रामसुख दास महाराज ने दिया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ मीता शर्मा जी व डॉ जीतेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ राजरानी सोनी विगत 11 वर्षों से निरंतर अध्यापन कार्य में संलग्न हैं। यह पुस्तक महुआ निवासी डॉक्टर राजरानी सोनी द्वारा लिखी गई दूसरी पुस्तक के रूप में विमोचित की गई है। डॉ राजरानी वर्तमान में टीकाराम पालीवाल राजकीय महाविद्यालय मण्डावर में हिंदी विषय की सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं।

एडीजे गोयल ने किया उपकारागृह बेगूं का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष मानसिंह चुंडावत के निर्देशानुसार प्राधिकरण सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा गरुवार को उपकारागृह बेगूं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सचिव गोयल ने रसोईघर, बैरक, शौचालय, स्नानागार आदि की साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया तथा बंदी रजिस्टर की जांच की। उन्होंने सभी बंदियों के लिए संचालित बंदी विधिक सहायता क्लिनिक के बारे में जागरूक किया एवं प्रत्येक कैदी से उसके जेल में आने के कारणों एवं उसकी तरफ से कोई वकील पैरवी कर रहा है अथवा नहीं आदि की जानकारी लेकर उन्हें विधिक सहायता आवेदन पत्र भरने हेतु प्रेरित किया गया।

स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती ने किया हुरा बा गौशाला का अवलोकन, गौसेवा को बताया चलता-फिरता तीर्थ

स्मार्ट हलचल

छोटीसादड़ी। शुक्रवार को स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती राष्ट्रीय संरक्षक विप्र फाउंडेशन चावंड ने हुरा बा गौशाला का अवलोकन किया। हुर्रा बा गौशाला की उत्तम गौसेवा के बारे में सोशल मीडिया व समाचार पत्रों आदि के माध्यम से जानकारी पाकर स्वामी हितेश्वरानंद महाराज को स्थानीय गौशाला अवलोकन की प्रबल इच्छा थी वह शुक्रवार को पूरी हुई। स्वामी हितेश्वरानंद ने हुरा बा के जीवन को धन्य बताते हुए कहा कि गौमाता चलता फिरता तीर्थ स्थान है इसमें 33 कोटि देवताओं का वास है। घोर आर्थिक युग में गौमाता को दूध दुह कर निराश्रित छोड़ देने पापी लोगों की वजह से वर्तमान में गौवंश दुर्दशा का शिकार है।इसकी सेवा से हम अपना वर्तमान व भविष्य दोनों सुधार सकते हैं। हमें गौवंश को सुरक्षित व संरक्षित करने हेतु गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाना होगा इस हेतु आगामी 27 अप्रैल को राष्ट्रीय स्तर पर भव्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।गौशाला संस्थान के लक्ष्मी नारायण रैगर, नारायण जनवा, चंद्रकांत शर्मा,ओमप्रकाश जनवा ने गौशाला में आगमन पर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती को पुष्प माला पहनाकर, मेवाड़ी मेवाड़ी पाग धारण करवा कर स्वागत अभिनंदन किया। गौसेवा संस्थान के 12 वर्षों के विकास की जानकारी ओमप्रकाश जनवा ने दी।कार्यक्रम में चिराग मेवाड़ा, नरेश व्यास, दिनेश चौबीसा, पूरण मीणा,ताराचंद रैगर, लीला रैगर, जमना दास वैरागी, प्रवीण जनवा सहित अनेक गौसेवक उपस्थित रहे।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक ने सराही हुरा बा गौशाला की व्यवस्थाएं, बोले- 'गाय को मिले राष्ट्रमाता का दर्जा'।

मालिक और किरायेदार के बीच विवाद में अवैध देशी पिस्टल से फायरिंग में युवक की हुई थी मौत, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | अजमेर

शहर में किराये के मकान को लेकर हुए विवाद में फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह सनसनीखेज घटना कुंदन नगर स्थित फूस की कोठी क्षेत्र की है, जहां मामूली विवाद अचानक हिंसक झगड़े में बदल गया और गोलीबारी तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार मकान मालिक और किरायेदार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसने घटना के दिन उग्र रूप ले लिया। इसी दौरान आरोपी मोहम्मद गुलरेज ने अवैध

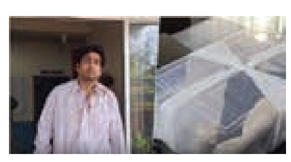

देशी पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। फायरिंग में 16 वर्षीय युवक तूफेल खान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान पुलिस ने मौके से दो कारतूस के खोल बरामद किए, जिससे फायरिंग की पुष्टि हुई।

इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और कुछ ही समय में मुख्य आरोपी मोहम्मद गुलरेज को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना में इस्तेमाल की गई अवैध पिस्टल के बारे में जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पिस्टल और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए। इस मामले में आरोपी के नाबालिग पुत्र को भी निरुद्ध किया गया है और उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध हथियार रखने और उनके उपयोग के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी के पास हथियार कहां से आए और इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं है।

10 साल से फरार 2000/- रुपये का ईनाम स्थाई वारण्टी मुकेश गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा के निर्देशन में अनुसंधानाधीन प्रकरणों में वांछित अपराधियों /स्थायी वारंटियों /उद्घोषित अपराधियों/धारा 335 बीएनएसएस में वांछित/173(8) दंप्रसं में वांछित /ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे जिला स्तरीय विशेष अभियान में श्रीमती उमा शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी के मार्गदर्शन व श्री राजूलाल वृताधिकारी वृत नैनवां के सुपरविजन में श्री सहदेव मीणा पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना नैनवां के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया जाकर 10 साल से फरार स्थाई गिरफ्तारी वारण्टी मुकेश पुत्र रामदेव उम्र 28 वर्ष निवासी बालापुरा थाना नैनवा जिला बून्दी राज को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

थानाधिकारी पुलिस थाना नैनवां ने बताया की माननीय न्यायालय एडीजे नैनवा द्वारा जारी स्थाई गिरफ्तारी वारण्ट सरकार बनाम रामदेव केस न.41/2021एफआईआर न.418/2016 धारा 341,323,307,34ता.हि. व माननीय न्यायालय एसीजेएम नैनवा द्वारा जारी स्थाई गिरफ्तारी वारण्ट सरकार बनाम मुकेश कोर्ट केस न. 700/2018 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट मे वांछित स्थाई वारण्टी मुकेश पुत्र रामदेव निवासी बालपुरा थाना नैनवा जिला बून्दी की गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी द्वारा 2000/- रुपये का ईनाम घोषित किया गया था । थाना स्तर से गठित पुलिस टीम ने तकनीकी व मुखबीर की सहायता से स्थाई गिरफ्तारी वारण्टी मुकेश को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है।

बारां में दो दिवसीय महिला मेला सम्पन्न, लगी स्टालें

स्मार्ट हलचल

बारां। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला संगठन, इकाई बारां द्वारा आयोजित दो दिवसीय महिला मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मेले में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।आयोजन में 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें बारां, कोटा, बूंदी, झालावाड़ के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से आई महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। सुबह से शाम तक मेले में महिलाओं व परिवारों की लगातार भीड़ रही।

मेले का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें अपने उत्पादों के प्रदर्शन व विपणन

के लिए मंच उपलब्ध कराना था। घर-आधारित व्यवसाय से जुड़ी महिलाओं को यहां सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने का अवसर मिला, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

मेले में ट्रेंडी परिधान, विभिन्न उपयोगी वस्तुएं, सजावटी सामग्री के साथ-साथ खानपान के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों और परिवारों के लिए भी मनोरंजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। संगठन की अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उर्मिला जैन भाया सहित राधेश्याम गर्ग, सुरेन्द्र गुप्ता, मनीष लश्करी, भारत जैन, सुधीरा , रामू बोरिना, पीयूष गर्ग, उर्मिला बंसल व अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की 11 अप्रैल को प्रस्तावित हिंडोली यात्रा को लेकर प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने लिया तैयारियों का जायजा

स्मार्ट हलचल | बूंदी

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की आगामी 11 अप्रैल को प्रस्तावित हिंडोली यात्रा को लेकर की गई तैयारियों की शुक्रवार को ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन की सुविधा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडी हवा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। शुद्ध ओर शीतल पेयजल के समुचित प्रबंध रहें, ताकि आने वाले लोगों को परेशानी न हों। वाहनों के लिए चिन्हित किए गए स्थानों को तत्काल समतल करवाने के निर्देश दिए ताकि जाम की स्थिति न बने। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने वाले लोकार्पण कार्यक्रमों को लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन भी भवनों का लोकार्पण होना है, उनकी सुरक्षा और निर्माण गुणवत्ता की गहन जांच की जाएं। सार्वजनिक निर्माण विभाग से 'सुरक्षा संबंधी प्रमाण पत्र' अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएं।

प्रभारी मंत्री ने परिवहन व्यवस्थाओं को अभी से चाक-चौबंद करने और यात्रा के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित करें कि मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान आम जनता को असुविधा न हो और कार्यक्रम गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हो। इस दौरान पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, कार्यवाहक जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, हिण्डोली उपखण्ड अधिकारी शिवराज मीणा एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

लायंस क्लब कोटा के सदस्यों ने समझा संसद संचालन का स्वरूप, लोकसभा अध्यक्ष से की भेंट

स्मार्ट हलचल | कोटा

लायंस क्लब कोटा के सदस्यों ने सद्भावना यात्रा के तहत राजधानी दिल्ली पहुंचकर देश की लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को करीब से समझा। इस दौरान उन्होंने संसद भवन में लोकसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और जाना कि सदन में किस प्रकार कार्य संचालित होते हैं।

क्लब अध्यक्ष सोनल नंदवाना ने बताया कि लगभग 50 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट कर संसदीय प्रक्रियाओं पर संवाद किया। इसके पश्चात सदस्यों ने सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक लोकसभा की कार्यवाही को दर्शक दीर्घा से देखा,

जिससे उन्हें पक्ष-विपक्ष की भूमिका, सांसदों की सहभागिता तथा पत्रकारों एवं अतिथियों की व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी मिली। नंदवाना ने बताया कि इस सद्भावना यात्रा का उद्देश्य आपसी भाईचारे, मित्रता और लायनिज्म की भावना को सुदृढ़ करना था, जिसमें क्लब पूरी तरह सफल रहा। यात्रा के दौरान सदस्यों ने प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रपति भवन, नेशनल वॉर मेमोरियल, इंडिया गेट तथा भारत मंडपम का भ्रमण भी किया। राष्ट्रपति भवन में सदस्यों ने भव्य दरबार हॉल (गणतंत्र मंडप) और अशोक हॉल (अशोक मंडप) की वास्तुकला को निहारा, वहीं मुगल गार्डन में खिले रंग-बिरंगे पुष्पों ने सभी का मन मोह लिया।

संसद भवन के भ्रमण के दौरान सदस्यों ने नए भवन में उपलब्ध आधुनिक एवं हाईटेक सुविधाओं का अवलोकन किया। विभिन्न संसदीय कार्यों के लिए बनाए गए अलग-अलग कार्यालयों की सुव्यवस्थित व्यवस्था ने सभी को प्रभावित किया। विशेष रूप से महिला सदस्यों में इस अनुभव को लेकर उत्साह और रोमांच देखने को मिला।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

संपादकीय

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10, 640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरूआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरूआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए'' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार...

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में ह्यगुड फ्राइडेह्ल मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्यराख का बुधवारह्ल कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्त्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग- बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

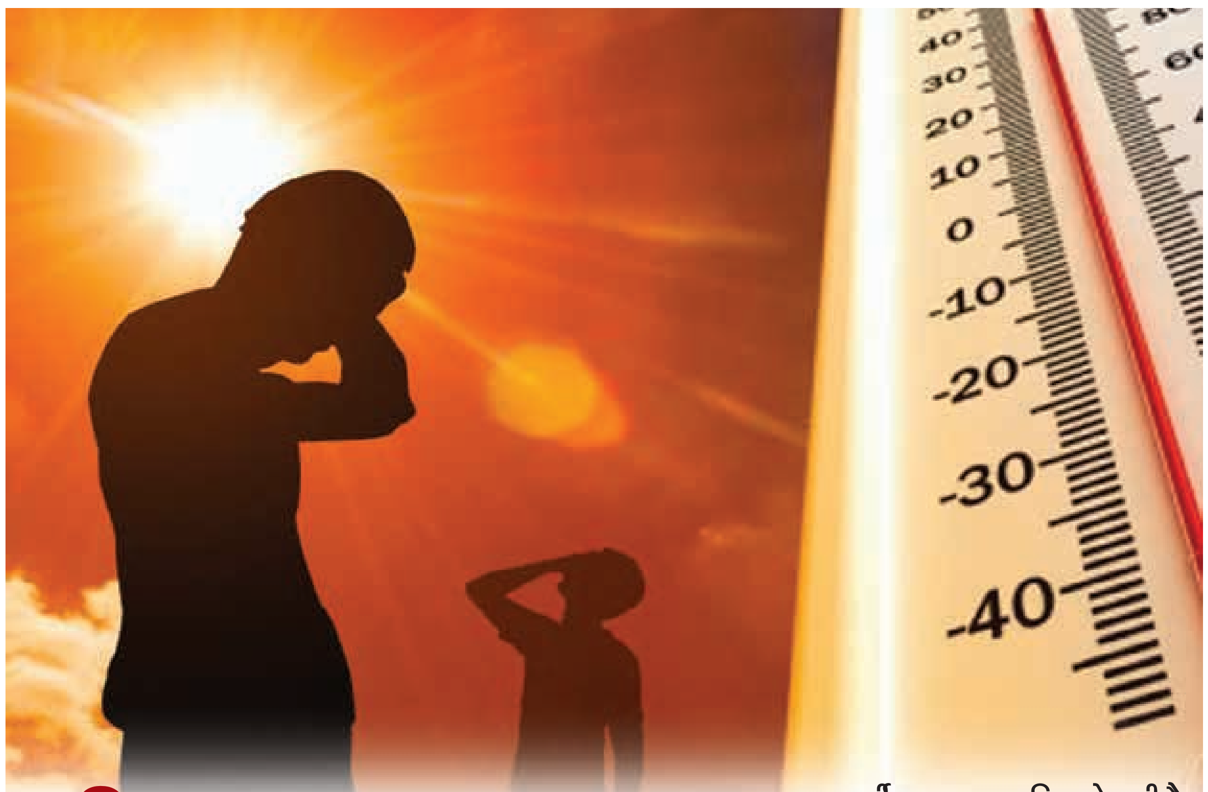

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com